[76] Seat No. _____ No. of printed pages : 2

SARDAR PATEL UNIVERSITY
M.A. (HINDI) (IV SEMESTER) EXAMINATION
Saturday , 23rd March 2019
2.00 p.m. to 5.00 p.m.
PA04CHIN03 : छायावादोत्तर काव्य

कुल गुण : ७०

सूचना : सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

प्र.१ ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए (किन्हीं दो) (१८)

(अ) ''नदी, तुम बहती चलो ।
भूखण्ड से जो दाय हमको मिला हैं, मिलता रहा है,
माँजती, संस्कार देती चलो....''

अथवा

(अ) ''समझ न पाया कि चल रहा स्वप्न था
जागृति शुरु है ।
दिया जल रहा है,
पीतालोक-प्रसार में काल गल रहा है,
आस-पास फैली हुई जग-आकृतियाँ
लगती हैं छपी हुई जड़ चित्र-कृतियों-सी
अलग व दूर-दूर
निर्जीव !! ''

(ब) ''मुझे स्मरण है -
पर मुझ को मैं भूल गया हूँ :
सुनता हूँ मैं -
पर में मुझ से परे, शब्द में लीयमान ।''

अथवा

(ब) ''जब से हम तुम मिले, न जाने, क्या हो गया समय को,
लय होता जा रहा मुरदगति से अतीत-गह्वर में ।''

प्र.२ संघर्षपुरुष की स्वप्न-कथा के रुप में 'अंधेरे में' कविता का मूल्यांकन कीजिए । (१७)

अथवा

प्र.२ 'अंधेरे में' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि यह काव्य परम अभिव्यक्ति की प्रामाणिक खोज हैं ।

प्र.३ पठित कविताओं के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि नागार्जुन सच्चे अर्थों में स्वाधीन भारत के प्रतिनिधि जन-कवि है । (१८)

अथवा

प्र.३ 'असाध्य वीणा' कविता की मूल संवेदना को अपने शब्दों में लिखिए ।

प्र.४ कवि दिनकर का संक्षिप्त परिचय देते हुए 'उर्वशी' महाकाव्य के तीसरे अंक की समीक्षा कीजिए । (१७)

अथवा

प्र.४ 'नदी के द्वीप' कविता में निहित मूल उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए ।

******